

## २. इंटरनेट संसाधनों और सर्च एंजिन्स के प्रकार



### वर्ल्ड वाइड वेब (WWW)

(WWW) वर्ल्ड वाइड वेब के लिए उपयोग में लाया जाता है। वर्ल्ड वाइड वेब या वेब इंटरनेट का सबसेट है किन्तु यह इसका समानार्थी नहीं है। वेब उन पेजेस से बना है जिन्हे किसी वेब ब्राउज़र का उपयोग कर एक्सेस किया जा सकता है। टेलनेट, एफटीपी, इंटरनेट गेमिंग, इंटरनेट चैट (IRC) और ई-मेल सभी इंटरनेट के हिस्से हैं, किन्तु वर्ल्ड वाइड वेब के हिस्से नहीं हैं।

हाइपर- टैक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल, ज्ञानवेब पेजेस को आपके कम्प्यूटर पर ट्रांसफर करने का तरीका है। हाइपरटेक्स्ट के साथ, कोई शब्द या फ्रेज़ में किसी वेब साइट का लिंक हो सकता है।



### वर्ल्ड वाइड वेब के कम्पोनेंट्स

निम्न चित्र वर्ल्ड वाइड वेब (www) के कम्पोनेंट्स को प्रदर्शित करता है :



वेब सर्वर एक ऐसा सिस्टम होता है जो एंड यूज़र को इंटरनेट पर कंटेंट या सर्विसेज़ उपलब्ध कराता है। वेब सर्वर कम्प्यूटर्स हैं जो वेब पेज डिलीवर करते हैं। प्रत्येक वेब सर्वर का एक आई पी एड्रेस और डोमेन नेम होता है। उदाहरण के लिए आपके ब्राउज़र में <http://www.google.com/index.html> वेब सर्वर को एक रिक्वेस्ट भेजता है जिसका डोमेन [usegoogle.com](http://usegoogle.com) है। तब सर्वर पेज [namedindex.html](http://usegoogle.com/namedindex.html) को तलाशता है और आपके कम्प्यूटर पर भेजता है।

एप्लीकेशन है जिसका उपयोग वर्ल्ड वाइड वेब पर उपलब्ध कन्टेन्ट को खोजने, प्राप्त करने, और प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है जिसमें वेब इमेजेस, विडियो और अन्य फाइल्स गमिल होती हैं। एक क्लाइन्ट/ सर्वर मॉडल के तौर पर ब्राउज़र कम्प्यूटर पर रन करने वाला क्लाइंट है जो कम्प्यूटर पर रन करता है जो वेब सर्वर से सम्पर्क करता है और सूचनाओं के लिए रिक्वेस्ट करता है। वेब सर्वर वेब ब्राउज़र को वापस सूचना भेजता है जो कि परिणामों को कम्प्यूटर या अन्य इंटरनेट अनुकूल डिवाइसजो कि ब्राउज़र को सपोर्ट करते हों उनपर प्रदर्शित करता है।



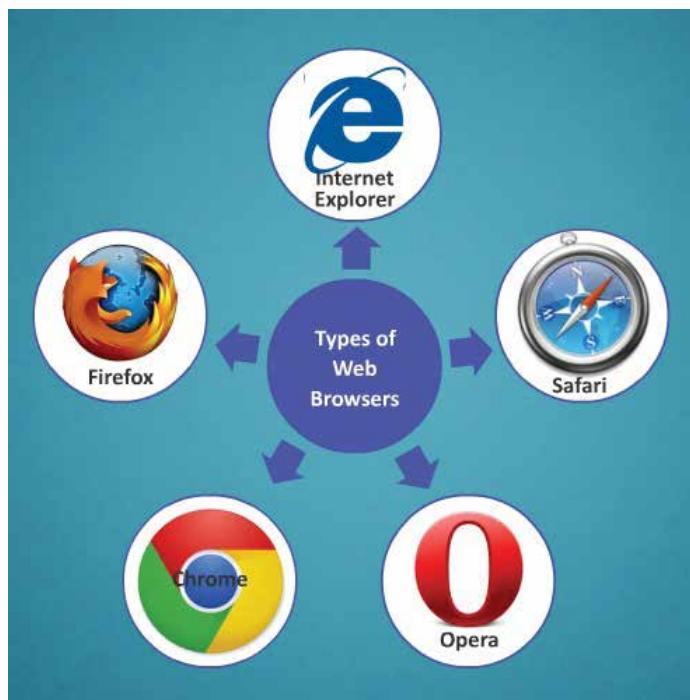
वेब पेज़ेस वर्ल्ड वाइड वेब बनाते हैं। ये डॉक्यूमेंट्स एचटीएमएल या हाइपर टेक्स्ट मार्क—अप लैंग्वेज में लिखे जाते हैं और आपके वेब ब्राउज़र के द्वारा ट्रांसलेट किए जाते हैं। वेब पेज़ेस स्टेटिक और डायनेमिक हो सकते हैं। स्टेटिक पेज़ेस हर बार डिस्प्ले होने पर वही कंटेन्ट दिखाते हैं। डायनेमिक पेज़ेस के कंटेन्ट हर बार एक्सेस करने पर बदल जाते हैं। ये पेज़ेस विशेष रूप से स्क्रिप्टिंग लैंग्वेजेस जैसेकि पीएचपी, पर्ल, एसएसपी, या जेएसपी में लिखे जाते हैं। एक वेब साइट पेज़ेस का कलेक्शन होता है। एक वेब पेज एक अलग एचटीएमएल डॉक्यूमेंट होता है।

वेब साइट वर्ल्ड वाइड वेब पर पेज़ेसका एक दूसरे से सम्बद्ध गुण होता है। यह सामान्यतः किसी एक विद्या पर या कई एक दूसरे से संबंधित टॉपिक्स पर केन्द्रित होता है। जब आप वेब साइट को एक्सेस करते हैं तो पहला वेब पेज जो प्रदर्शित होता है उसे होम पेज कहते हैं।

एक वेब एड्रेस ऐक्सिस प्रोटोकॉल रखने वाला एड्रेस स्ट्रिंग है जिसमें डोमेन नेम, और फाइल पाथ होता है। सामान्यतः इसका उपयोग इंटरनेट पर वेब पेज, इमेजेस और अन्य डॉक्यूमेंट के एड्रेस को बताने के लिए किया जाता है।

वेब ब्राउज़र एल्टीकेशन प्रोग्राम्स हैं जिन्हे वर्ल्ड वाइड वेब पर सूचनाओं को एक्सेस करने के लिए डेवेलप किया जाता है। वेब ब्राउज़र के द्वारा सामान्य प्रदान किए जाने वाले फीचर्स में डाउनलोड, बुकमार्क्स, और पासवर्ड मैनेजमेंट हैं। ये स्पैल चेक, सर्च एंजिन ट्रूल बार्स, टैब्ड ब्राउजिंग, एडवर्टाइजमेंट फिल्टरिंग और एचटीएमएल एक्सेस कीज़, पॉप अप और ब्लॉकिंग जैसे फीचर्स भी प्रदान करते हैं।

**वेब ब्राउज़र्स के प्रकार**  
कई प्रकार के वेब ब्राउज़र उपलब्ध हैं, उदाहरण के लिए इंटरनेट एक्सप्लोरर, फायरफॉक्स, क्रोम, ऑपेरा और सफारी।



इंटरनेट एक्सप्लोरर को माइक्रोसॉफ्ट ने डेवेलप किया था और इसे 1995 में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ के ऑपरेटिंग सिस्टम्स के लिए सपोर्टिव पैकेज के रूप में पेश किया गया था। यह दुनिया में सबसे आम तौर पर उपयोग में लाए जाने वाला ब्राउज़र है। यह ब्राउज़र आसान ऑनलाइन नेवीगेशन और त्वरित सर्च और डायनेमिक सिक्युरिटी टेक्नोलॉजी के लिए श्रेष्ठ है।

फायरफॉक्समोजिला से प्राप्त ब्राउज़र है और यह इंटरनेट पर दूसरा सबसे ज्यादा प्रसिद्ध ब्राउज़र है।

गूगल क्रोमगूगल के द्वारा विकसित वेब ब्राउज़र है। इसमें एक परि कृत तकनीकी से तैयार किया गया है ताकि वेब ब्राउज़िंग को तेज, सुरक्षित और आसान बनाया जा सके।

ऑपेरा को आपेरा सॅफ्टवेयर ने 1996 में विकसित किया गया था। ऑपेरा अन्य ब्राउज़र्स की तुलना में छोटा और तेज है। यह तेज है उपयोग में आसान है इसमें कीबोर्ड इंटरफ़ेस, मल्टीपल विंडोज़, जूम और कई अन्य फ़ैक्शन्स हैं। यह इंटरनेट पर नये उपयोग करने वालों के लिए आदर्श है।

सफारी एपिल इंक. के द्वारा विकसित वेब ब्राउज़र है और इसे मैक आपरेटिंग सिस्टम में शामिल किया गया है। इसे पब्लिक बीटा के तौर पर जनवरी 2003 में रिलीज़ किया गया था। यह ब्राउज़र सभी नवीनतम टेक्नोलॉजीज़ जैसे एक्सएचटीएमएल, सीएसएस2 आदि को सपोर्ट करता है।

**वेब ब्राउज़र को ओपन करना**

स्टेप 1 : स्टार्ट बटन को विलक करें



स्टेप 2 : ऑल प्रोग्राम्स पर जाएं और किसी भी ब्राउज़र पर विलक ऑन करें।  
ब्राउज़िंग विंडो दिखाई देगी।



वेब ब्राउज़र निम्न में विभाजित होते हैं :

टाइटिल बार वेब पेज और वेब ब्राउज़र का नाम डिस्प्ले करता है। इसमें तीन विंडोज़ बटन्स होती हैं – मिनिमाइज़ रिस्टोर डाउन या मैक्सीमाइज़ और क्लोज़ बटन।



गो या रिफ्रेश और स्टॉप बटन्स होती हैं। गो बटन आपकी किसी वेब पेज या वेबसाइट को लोड करने में सहायता करती है। रिफ्रेश बटन वेबपेज को रीलोड करने में सहायता करती है और स्टॉप बटन एक्सप्लोरर द्वारा किसी अन्य ऑपरेशन को रोकती है। एड्रेस बार के बाँयी तरफ, बैक और फारवर्ड बटन्स होती हैं। ये बटन्स हाल ही में विज़िट की गई, पिछली और अगली वेब साइट्स पर नेवीगेट करने में सहायता करती हैं।



मेन्यु बार में फाइल, एडिट, व्यू, फेवरेट्स, टूल्स और हेल्प जैसे कई मेन्यु ऑप्शन्स होते हैं।



वेब पेज एरिया वह एरिया है जहाँ वेबसाइट या वेबपेज डिस्प्ले किया जाता है।



स्टेटस बार किसी वेब पेज / वेबसाइट के प्रोग्रेस को वेटिंग, लोडिंग या डन के रूप में प्रदान करता है।



## सर्च एंजिन्स

सर्च एंजिन्स वेब साइट्स होती हैं जिनका उद्देश्य ऐसी वेब साइट् को तलाशना होता है जो कि उपयोगकर्ता ढूँढ़ रहा होता है किन्तु उसे उस वेब साइट का विशिष्ट पता मालूम नहीं होता है। कुछ आम तौर पर उपयोग में लाए जाने वाले सर्च एंजिन्स हैं गूगल, याहू एमएसएन आदि। गूगल सबसे ज्यादा लोकप्रिय सर्च एंजिन है। ये इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिन्हे रोबोट्स या स्पइर्स कहा जाता है, उनका उपयोग वेब पर सर्फ करने के लिए करते हैं। ये रिक्वेस्ट की सूचना को तलाशने के लिए इंटरनेट पर रन करते रहते हैं, जिनमें

www शामिल हैं।



### सर्च एंजिन्स के प्रकार

मल्टी और मेटा एसई एक से अधिक व्यक्तिगत एसईएस को आपके कीबोर्ड को तलाशने के लिए उपयोग में लाते हैं। गूगल

और बिंग इस एसई के उदाहरण हैं। डायरेक्ट्री वेबसाइट्स की डायरेक्ट्रीज़ का उपयोग करती है जिनका मैन्युअली परीक्षण किया जाता है और इन्हे इनमें निहित जानकारियों के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है। याहू डायरेक्ट्री एसई का उदाहरण है।

### सर्च एंजिन का उपयोग करना

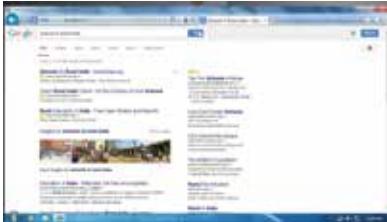
सर्च एंजिन्स वे टूल्स हैं जिनका उपयोग इंटरनेट पर जानकारियों को खोजने के लिए किया जाता है। सर्च एंजिन्स वेब पेजेस के समान होते हैं और इन्हे वेब ब्राउज़र का उपयोग कर ओपन करना होता है। सामान्यतः सर्च किसी शब्द या शब्दों के समूह या टॉपिक्स पर आधारित होती हैं। इन शब्दों या फ्रेजेस को कीवड़स कहा जाता है। सर्च परिणाम में वेब पेजेस, इमेजेस, सूचनाएं और अन्य प्रकार की फाइलें शामिल होती हैं। बड़े स्तर पर उपयोग किए जाने वाले कुछ सर्च एंजिन्स निम्न हैं :



- <https://www.google.co.in/>
- <http://www.bing.com/>
- <http://search.yahoo.com/>

### सर्च को कन्ढकट करना

गूगल का उपयोग कर सर्च करने के स्टेप्स

स्टेप 1	वेब ब्राउज़र को स्टार्ट करें	
स्टेप 2	<a href="https://www.google.co.in/">https://www.google.co.in/</a> को एड्रेस बार या लोकेशन बार में टाइप करें	
स्टेप 3	यदि आप स्क्रॉल इन रूरल इंडिया पर जानकारी चाहते हैं तो की वड्स जैसा दिखाया गया है वैसा टाइप करें।	
स्टेप 4	सर्च को स्टार्ट करने के लिए सर्च बटन को क्लिक करें या कीबोर्ड पर एंटर की को प्रेस करें।	
स्टेप 5	परिणाम स्वरूप दिखने वाले लिंक्स पर निगाह डालें। हर वेब साइट के बारे में संक्षिप्त विवरण दिखाई देगा। सबसे ज्यादा सुसंगत लिंक पर क्लिक करें।	
स्टेप 6	यदि आप किसी और विषय पर जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो बैक बटन को क्लिक करें ताकि आप सर्च एंजिन के होम पेज पर जा सकें।	

स्टेप 7	आप जिस जानकारी को पाना चाहते हैं उससे संबंधित की वर्डर्स को टाइप करें।	
स्टेप 8	सर्च बटन को विलक करें।	
स्टेप 9	कई वेबसाइट्स के लिंक दिखाई देंगे। सुसंगत लिंक को चुनें और चाही गई जानकारी को पढ़ें।	
स्टेप 10	ब्राउज़िंग विंडो से निकलने के लिए ऊपर दाँयी तरफ क्लोज़ बटन को विलक करें।	

## अभ्यास २

१. सर्च एंजिन्स वेब पेजेस के समान होते हैं और उन्हे वेब ब्राउज़र का उपयोग कर ओपन करना होता है।  
l R vL R
२. यह मेटा एसई का उदाहरण है।  
l R vL R
३. फायरफॉक्स गूगल से ड्राइव किया ब्राउज़र है।  
l R vL R
४. टाइटिल बार वेब पेज का नाम और वेब ब्राउज़र का नाम डिस्ले करता है।  
l R vL R